বিদ্যাসাগর বিশ্ববিদ্যালয়

VIDYASAGAR UNIVERSITY

Question Paper

B.A. Honours Examinations 2020

(Under CBCS Pattern)

Semester - III

Subject : SANSKRIT

Paper : GE 3-T

Full Marks : 60

Time : 3 Hours

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.
The figures in the margin indicate full marks.

[INDIAN AESTHETICS]

1. **अधोलिखितेषु प्रश्नत्रयं समाधेयम् :** 20 × 3 = 60

(क) संस्कृतालंकारशास्त्रानुसारतः सौन्दर्यस्य स्वरूपमालोचनीयम्।

(क) সংস্কৃতালংকারশাস্ত্রানুসারে সৌন্দর্যের স্বরূপ আলোচনা কর।

(ख) साहित्यदर्पणानुसारेण रसस्य उपादानानि वर्णनीयानि।

(খ) সাহিত্যদর্পণানুসারে রসের উপাদানগুলি বর্ণনা কর।

(ग) वक्रोक्तितत्त्वविषये निबन्धः लेखनीयः।

(গ) বক্রোক্তিতত্ত্ববিষয়ে নিবন্ধ লেখ।

Vidyasagar University

(घ) संस्कृतालंकारशास्त्रे क्षेमेन्द्राचार्यस्य अवदानं निरूपणीयम्।

(घ) সংস্কৃত অলঙ্কারশাস্ত্রে ক্ষেমেন্দ্র আচার্যের অবদান নিরূপণ কর।

(ङ) भारतीयसौन्दर्यतत्त्वस्य मुख्यप्रवक्तृरूपेण आचार्यस्य वामनस्य कृतित्वमालोचनीयम्।

(ঙ) ভারতীয়সৌন্দর্যতত্ত্বের মুখ্য প্রবক্তৃরূপে আচার্য বামনের কৃতিত্ব আলোচনা কর।

(च) रसानुभूतेः मानसिकस्तरचतुष्टयमालोचनीयम्।

(চ) রসানুভূতির চারটি মানসিক স্তর আলোচনা কর।

[FUNDAMENTALS OF INDIAN PHILOSOPHY]

1. अधोनिर्दिष्टेषु यथेच्छं **त्रयाणां प्रश्नानामुत्तरं** प्रदेयम्। $20 \times 3 = 60$

(क) जैनदर्शने स्याद्वादः व्याख्यायताम्।

(ক) জৈনদর্শনের স্যাদ্‌বাত ব্যাখ্যা কর।

(ख) अद्वैतवेदान्तानुसारेण ब्रह्म-जगतोः स्वरूपं वर्ण्यताम्।

(খ) অদ্বৈতবেদান্তানুসারে ব্রহ্ম ও জগতের স্বরূপ বর্ণনা কর।

(ग) चार्वाकमतानुसारं देहात्मवादः विव्रियताम्।

(গ) চার্বাকমতানুসারে দেহাত্মবাদ বর্ণনা কর।

(घ) अष्टाङ्गयोगविषये कश्चन प्रबन्धो विरचयत।

(ঘ) অষ্টাঙ্গযোগ বিষয়ে একটি প্রবন্ধ রচনা কর।

(ङ) सांख्यसम्मतः सत्कार्यवादः आलोच्यताम्।

(ঙ) সাংখ্যসম্মতং সৎকার্যবাদ আলোচনা কর।

(च) वैशेषिकसम्मताः सप्त पदार्थाः व्याख्यायन्ताम्।

(চ) বৈশেষিকসম্মত সাতটি পদার্থ ব্যাখ্যা কর।

Vidyasagar University

[ANCIENT INDIAN POLITY]

1. अधोनिर्दिष्टेषु यथेच्छं **त्रयाणां प्रश्नानामुत्तरं** प्रदेयम्। $20 \times 3 = 60$

(क) राष्ट्रशासने दण्डनीतेः का एव उपयोगिता? धर्मशास्त्रादि-ग्रन्थानुसारेण आलोच्यताम्।

(क) রাষ্ট্রশাসনে দণ্ডনীতির উপযোগিতা কি? ধর্মশাস্ত্রাদিগ্রন্থানুসারে আলোচনা কর।

(ख) धर्मशास्त्राद्यनुसारेण राज्ञामुत्पत्तिविषये वैश्यद्येन आलोच्यताम्।

(খ) ধর্মশাস্ত্রাদি অনুসারে রাজার উৎপত্তি বিশদে আলোচনা কর।

(ग) 'सप्ताङ्गमुच्यते राज्यम्' इति विषये प्रबन्धो विरच्यताम्।

(গ) 'সপ্তাঙ্গমুচ্যতে রাজ্যম্'—এই বিষয়ে প্রবন্ধ রচনা কর।

(घ) अर्थशास्त्राद्यनुसारेण मन्त्रिपरिषदः गठनशैली कीदृशी आसीत्?

(ঘ) অর্থশাস্ত্রাদি অনুসারে মন্ত্রিপরিষদের গঠনশৈলী কীরূপ ছিল?

(ङ) प्राचीन-भारतीय-कर-व्यवस्थाविषये दिग्दर्शनं क्रियताम्।

(ঙ) প্রাচীন ভারতীয় করব্যবস্থাবিষয়ে দিগ্‌দর্শন কর।

(च) स्वराज्ये कृत्याकृत्य-पक्षरक्षणविषये उपाय-चतुष्टयस्य उपयोगिता आलोच्यताम्।

(চ) স্বরাজ্যে কৃত্যাকৃত্যপক্ষ রক্ষণ বিষয়ে উপায়চতুষ্টয়ের উপযোগিতা আলোচনা কর।

Vidyasagar University